३०/९१४

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ७ जून, २००९)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग प्रारंभ

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । कुल गुण : १००

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - तृतीय संस्करण, जनवरी - २००७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आज से मैं अब मिठाई की चोरी नहीं करूँगा ।'' (४६)
२. ''आप लोग पेड़ पर चढ़ जाइए ।'' (२६)
३. ''यह देखो, घनश्याम इमली के पेड़ पर बैठे हैं ।'' (९)

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. अयोध्या में घनश्याम सन्ध्या आरती में कहाँ पहुँच जाते थे ? (७६)
२. हनुमानजी किसके पास से घनश्याम को छुड़वाकर ले आए ? (३)
३. अनन्त जीवों का कल्याण करने के लिए घनश्याम ने कहाँ जाने का सोचा ? (५८)
४. लक्ष्मीमामी ने घनश्याम के शरीर पर क्या देखा ? (१८)

प्र.३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **मुमुक्षु किस दिशा की ओर ? :** तरगाँव के बाहर आम के पेड़ पर चढ़कर इच्छाराम पूर्व दिशा में स्थित भक्तों को देख रहे थे । (२८)
२. **अन्धे को आँखें दीं :** घनश्याम को देवीबक्ष नामक राक्षस पर दया आयी । उन्होंने उसके सिर पर पाँव रखकर उसे आँखें दी । (७३)
३. **दो रुपों में दर्शन :** सबको ठाकुरजी की मूर्ति में घनश्याम दिखाई देते थे और धर्मपिता के साथ आरती उतारते भी दिखाई देते थे । (७१)
४. **ठण्डे जल से चेचक की बीमारी गई :** चंदनमासीने कहा, 'हम तो ब्राह्मण हैं, हमे तो हररोज स्नान करना चाहिए ।' (१८)

प्र.४ ''सरयू के किनारे ।'' (८१) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।)** [५]

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मल्लों का पराजय । (३२)
(१) ☐ मानसंग (२) ☐ दिल्लीसंग (३) ☐ भीमसंग (४) ☐ केसरीसंग

२. घनश्याम का जन्म । (१)
(१) ☐ सं. १८३७ (२) ☐ चैत्र शुक्ला नवमी (३) ☐ मंगलवार (४) ☐ रात के बारह बजे

३. घनश्याम ने हिंसा बन्द करवाई । (४३)
(१) ☐ धर्मदेव को निर्दोष प्राणियों पर दया आयी । (२) ☐ घनश्याम का हृदय करुणा से भर गया ।
(३) ☐ नवाब पीपल के पेड़ पर चढ़ गए । (४) ☐ नवाब की लूँगी छूट गई ।

४. प्रभु का नामकरण । (६)
(१) ☐ हरिकृष्ण, घनश्याम, नीलकंठ । (२) ☐ पृथ्वी पर धर्म का स्थापन करेगा ।
(३) ☐ लोगों के दु:ख का नाश करेगा । (४) ☐ लोगों को समाधि करवाएगा ।

प्र.६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. घनश्याम को देखकर शेर शांत हो गया । (६६)
२. रामप्रतापभाई ने घनश्याम को डाँटा । (७९)
३. धर्मदेव और रामप्रतापभाई को विश्वास हो गया कि सब के प्राण नाड़ी घनश्याम के हाथ में है । (२३)

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''सत्शास्त्र के अध्ययन का व्यसन हमेशा रखना और दूसरी बात यह कि उत्तम साधु-सन्तों का संग करना ।'' (१३)
२. ''साधु बनकर मैं आपकी और ठाकुरजी की सेवा करना चाहता हूँ ।'' (१०)
३. ''मेरी तबियत अच्छी नहीं है ।'' (२९)

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. झीणाभाई को दीक्षा देकर उनका क्या नाम रखा गया ? (१९)
२. प्रमुखस्वामी द्वारा कितने साधु बनाने का योगीजी महाराज का संकल्प था ? (५४)
३. हरगोविंददास मेहता ने योगीजी महाराज को एकान्त में क्या पूछा ? (२१)
४. फुर्सत के समय झीणाभाई क्या करते थे ? (७)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.९ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । [६]

विषय : मान-अपमान में समता । (२२)

१. योगीजी महाराज को हाथ पकड़कर धक्का मारकर मन्दिर के बाहर निकाल दिया । **२.** योगीजी महाराज ने निर्जल उपवास का व्रत रखा था । **३.** योगीजी महाराज बैलगाड़ी में बैठकर सारंगपुर से गढ़डा जा रहे थे । **४.** गाँव के हरिभक्तों ने द्वेषी साधुओं को डरा-धमकाकर वातावरण शान्त कर दिया । **५.** पू. भगवत्स्वरूप स्वामी को जाली-दरवाजे के भीतर बंद कर दिया । **६.** मार पड़ी फिर भी योगीजी महाराज और उनके साथी सन्त साधुओं ने एक अक्षर भी उन द्वेषियों के विरुद्ध नहीं कहा । **७.** 'क्षमा कीजिएगा, मैं आपको समय पर जल नहीं दे सका ।' **८.** योगीजी महाराज इसी सोच में रहे कि हरिकृष्ण महाराज का गला सूख जाएगा । **९.** कुछ द्वेषी साधु मन्दिर में आए । **१०.** इसमें हमारा क्या अपराध ? **११.** सन्त-मण्डली के साथ विचरण करते हुए योगीजी महाराज केरिया गाँव पधारे । **१२.** भावनापूर्ण हृदय से ठाकुरजी को प्रार्थना करके योगीजी महाराज ने क्षमा माँगी ।

केवल सही क्रमांक	☐	☐	☐	☐	☐	☐
यथार्थ घटनाक्रम	☐	☐	☐	☐	☐	☐

सभी उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० ''योगीजी महाराज का कार्य ।'' (४१) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]**

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. उच्चवर्ग के अधिकारी को झीणाभाई की बात सच लगी । (४)
२. पुरीबाई ने झीणाभाई को मीठा मुँह करवाया । (१०)
३. शास्त्रीजी महाराज ने योगीजी महाराज को अक्षर देहरी में ले चलने को कहा । (३२)

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ - प्रथम संस्करण, दिसम्बर - १९९५

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. सामत पटेल से कितने रुपये लेने का महाराज ने निश्चय किया ? (२१)
२. शास्त्रीजी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ था ? (३९)
३. राज्य का बहुत काम होने पर भी कौन से राजा घंटों तक भगवान की पूजा करते थे ? (९)
४. बालसभा में जाने से क्या पवित्र होता है ? (४७)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. प्रार्थना । (४)
(१) ☐ शुध्ध हृदय से भगवान के पास माँगना । (२) ☐ पालथी मारकर - स्थिर बैठना ।
(३) ☐ भगवान और गुरु को याद करना । (४) ☐ उन्हें (भगवान को) प्रणाम करना ।

२. श्रीजीमहाराज के समाजसुधार के कार्य । (७)
(१) ☐ सतीप्रथा का अंत । (२) ☐ अहिंसक यज्ञ शुरु किए ।
(३) ☐ बाल हत्या बंद करवाई । (४) ☐ स्त्रीशिक्षा का प्रचार किया ।

३. भाल की बीबी : (२६)
(१) ☐ भाल प्रदेश में सरंढी गाँव में रहती थी । (२) ☐ अपने आँगन में बबूल का पेड़ उगाया था ।
(३) ☐ महाराज ने दादाखाचर को दातून लाने के लिए कहा । (४) ☐ ले, मेरे इधन में से दो ईंधन दे दे, मेरा भी कल्याण हो जाए ।

४. पूँजा डोडिया । (४२)
(१) ☐ माणकी के लिए स्वयं जंगल से घास ले आते थे । (२) ☐ श्रीजीमहाराज के द्वादशाह के दिन उन्होंने शरीर त्याग दिया ।
(३) ☐ रास्ते में शिवानंद स्वामी और निर्गुणानंद स्वामी मिल गये । (४) ☐ स्वामिनारायण भगवान प्रकट हो चुके हैं, उनके सन्त तुम्हें मिलेंगे ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. दादा खाचर के पशुओं को सम्हालने का काम .... करता था । (२४)
२. सहजानन्द स्वामी भक्तों के .... के दुःख को दूर करते हैं । (५)
३. मूलजी भक्त को .... गाँव में साधु की दीक्षा दी गई । (३०)
४. अक्षर यानी .... पुरुषोत्तम यानी ....(३)

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । [८]

१. ''गल्या साठा .... साकर छे झाझी ।'' (२३) २. ''सकलशास्त्र का .... गुणातीतानन्द ।'' (५२)
३. ''श्रीमन्नगुर्णमूर्तये .... ब्रह्मात्ममुक्ताय ते ।'' (१८) ४. ''नहीं डरते .... गान के लिए ।'' (शौर्यगीत)

प्र.१६ ''प्रेमभक्ति से भगवान का स्मरण....'' (३२) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (प्रदह पंक्तियाँ) [५]**

प्र.१७ ''अखंडानंद स्वामी ।'' (१४) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) [५]**

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २००९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।

❊ ❊ ❊